वन विज्ञान केंद्र, जबलपुर के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(दि. 29 सितम्बर, 2014)

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा "उच्च गुणवत्ता के पौध उत्पादन हेतु उन्नत नर्सरी तकनीकी एवं बीजों का चयन तथा भंडारण", विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दि. 29 सितम्बर, 2014 को मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान एवं विस्तार के सहयोग से वन विज्ञान केंद्र. म.प्र.जबलपुर में आयोजित किया गया । इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के कृषक, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, स्वःसहायता समूह के सदस्य, वन विभाग के कर्मचारी तथा मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग द्वारा चयनित वन दूतों सहित 81 प्रशिक्षाणार्थी उपस्थित रहे ।

उदघाटन कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरा अनुसार द्वीप प्रज्वलित कर किया गया । श्री शंखवार, ने सभी प्रशिक्षाणार्थियों व विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से वन दूतों तथा अन्य उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से आहवान किया कि वे इस कार्यक्रम में प्राप्त जानकारी को मैदान में साकार करने में अपना योगदान दे । डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., नें वानिकी तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों से सभी उपस्थित प्रशिक्षणार्थीयों को परिचित कराया ।

The contents of this report are provided by Forest Extension Division, TFRI, Jabalpur

श्री आर. पी. साहू, उप वनमंडलाधिकारी, क़ोरिया वन मंडल, छत्तीसगढ़ नें हल्दू (*Adina cordifolia*) एवं मुंडी (*Mitragyna Parvifolia*) की पौध तैयार करने की उन्नत नर्सरी तकनिकी तथा इससे संबधित विभिन्न समस्यायों तथा उनके समाधान की विस्तृत जानकारी उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को दी। उन्होनें हल्दू तथा मुंडी की आर्थिक उपयोगिता एवं अन्य इमारती लकड़ी प्रदान करने वाले वृक्षों के संग तुलनात्मक अध्यन भी प्रस्तुत किया। डॉ. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-ई, आनुवांशिकी एवं पाद्प प्रजनन प्रभाग उ.व.अ.सं., जबलपुर नें वानिकी वृक्ष प्रजातियों का सुधार एवं धन वृक्षों का चयन विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंनें आनुवांशिकी एवं पाद्प प्रजनन प्रभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न वानिकी वृक्षों के सुधार संबधी कार्यों से प्रशिक्षार्थियों को अवगत् कराया। डा. मैत्रेयी कुन्डु, वैज्ञानिक-एफ़, वन संवर्धन एव संयुक्त वन प्रबंधन प्रभाग, नें उच्च गुणवत्ता के पौध उत्पादन हेतु बीजों का चयन तथा भंडारण विषय पर अपनी प्रस्तुति द्वारा विभिन्न वानिकी प्रजातियों के बीजों के एकत्रीकरण समय, गुणवत्ता, बीजों के एकत्रीकरण के समय अन्य सावधानियों, उनके प्रमाणीकरण तथा उनके उपचार से संबधित अनेक उपयोगी जानकारियाँ उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को दी। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़ कर चर्चा में भाग लिया।

The contents of this report are provided by Forest Extension Division, TFRI, Jabalpur

उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक संयुक्त रुप से श्री हरिओम शंखवार, नोडल अधिकारी, वन विज्ञान केन्द्र म.प्र., मु.व.स., अनु. एवं विस्तार वृत्त, जबलपुर तथा डॉ. नितिन कुलकर्णी, वैज्ञानिक – जी तथा प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., थे । इस कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. मिश्रा, अनुसंधान अधिकारी, वन विस्तार प्रभाग, उ.व.अ.सं., जबलपुर नें सह-समन्वयक के रुप में अपना योगदान दिया । कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करनें तथा लिखित रुप से फीड़-बैक (Feed back) प्रस्तुत करने से हुआ । कार्यक्रम के अंत में श्री हरीश सोनी, सहायक वन संरक्षक, अनु. एवं विस्तार वृत्त द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया ।

The contents of this report are provided by Forest Extension Division, TFRI, Jabalpur